सत्र - द्वितीय

Core Course 4 Credits (1 x 4)

CC-2

3TH +1TU

आधुनिक हिंदी कविता - छायावाद तक

> आधुनिक हिंदी कविता की प्रस्तावना और परिचय

भारतेन्दु हरिश्चंद्र - Dr. R.Y

नये जमाने की मुकरियाँ (। से 14 तक)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' -Dr. R.Y

एक तिनका

कर्मवीर

सरिता

खद्योत

फूल और काँटा

मैथिलीशरण गुप्त -Dr.R.Y

सखि वे मुझसे कह कर जाते

किसान

मनुष्यता, आर्य, होली

जयशंकर प्रसाद -Dr.R.Y

हमारा प्यारा भारतवर्ष

अरुण यह मधुमय देश हमाराp

उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर

मधुप गुनगुनाकर कह जाता

ले चल वहाँ भुलावा देकर

पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - Dr.R.Y

संध्या सुंदरी

अधिवास

जागो फिर एक बार 2

गहन है यह अंधकारा

स्नेह निर्झर बह गया है

ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत - Dr.R.Y

प्रथम रश्मि

बादल

गा कोकिल बरसा पावक कण

मौन निमंत्रण

धूप का टुकड़ा

संध्या

महादेवी वर्मा - Smt.D.S

धीरे- धीरे उतर क्षितिज से

क्या पूजा क्या अर्चन रे

मैं नीर भरी दुःख की बदली

चिर सजग आँखें उनींदी

पंथ रहने दो अपरिचित

यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

सुभद्रा कुमारी चौहान - Smt.D.S

मेरा नया बचपन

वीरों का कैसा हो बसंत

गिरफ्तार होने वाले हैं

प्रथम दर्शन

ठुकरा दो या प्यार करो

पारितोषिक का मूल्य

There should be at least average 10 to 12 lectures for each subject matter i.e. for each poet and all his poems.

Core Course-4 Credits (1X4) 3TH ITU CC-4

हिन्दी कहानी

Dr.R.Y ...उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी दुनिया का सबसे अनमोल रतन - प्रेमचंद गुंडा - जयशंकर प्रसाद हार की जीत सुदर्शन पाली भीष्म साहनी तीसरी कसम - रेणु बदला अज्ञेय मिस पाल मोहन राकेश परिदे- निर्मल वर्मा

Smt.D.S...डिप्टी कलक्टरी अमरकांत मेरी माँ कहाँ- कृष्णा सोबती पिता - ज्ञानरंजन टेपचू - उदय प्रकाश ब्लैकहोल- संजीव

अनुमोदित पुस्तकें - 1. हिन्दी कहानी: उद्भव और विकास: डॉ. सुरेश सिन्हा 2. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश 3. हिन्दी कहानी पहचान और परख डॉ. इन्द्रनाथ मदान 4. कहानी: नयी कहानी: नामवर सिंह 5. कहानी शिल्प और संवेदना राजेन्द्र यादव 6. नयी कहानी: सन्दर्भ और प्रकृति देवीशंकर अवस्थी 7. जनवादी कहानी: रमेश उपाध्याय

Core Course 4 Credits (1 x 4) 3TH ITU CC-5

हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल से रीतिकाल तक

Dr R.Y... हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और उसका महत्व। हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण। आदिकाल की पृष्तभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक), आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, सिद्ध साहित्य, वाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार । भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक), भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाकार। .

Smt D.S...रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा विशेषताएँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त तथा श्रृंगारेत्तर काव्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार।

अनुमोदित पुस्तकें - 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल 2. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. हिन्दी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: डी. रामकुमार वर्मा 6. हिन्दी साहित्य का इतिहास: डॉ. नगेन्द्र (संपादित) 7. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग-1, 2 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 8. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल 9. भक्ति चिंतन की भूमिका: प्रेमशंकर 10. भक्ति आन्दोलन का अध्ययन: रतिभानु सिंह नाहर 11. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन: डॉ. रामकुमार वर्मा.

NOTE -There should be at least average 5 to 6 lectures more or less for each subject matter i.e. for each writer and all his short story and Hindi sahitya ka Itihas.

Core Course-4 Credits (1X4) 3TH ITU CC-8

(**हिन्दी उपन्यास**)

Dr.R.Y... सेवासदन - प्रेमचंद त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार मृगनयनी - वृंदावनलाल वर्मा महाभोज - मन्नू भंडारी ऐ लड़की - कृष्णा सोबती

Smt D.S...तमस - भीष्म साहनी

अनुमोदित पुस्तकें - 1. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा 2. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : डॉ. गोपाल राय 3. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा रामदरश मिश्र 4. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश 5. हिन्दी: पहचान और परख इन्द्रनाथ मदान (सम्पादक) 6. प्रेमचंद और उनका युग रामविलास शर्मा 7. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प-विधान कमल किशोर गोयनका 8. प्रेमचंद: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (सम्पादक) 9. मन्नू भंडारी का रचनात्मक अवदान सुधा अरोड़ा (सम्पादक) 10. जैनेन्द्र साहित्य और समीक्षा रामरतन भटनागर.

NOTE -There should be at least average 10 to 12 lectures more or less for each subject matter i.e. for each writer and all his prose.